137

दूरभाष : 2557667

कानपुर विद्या मन्दिर महिला (पी.जी.) महाविद्यालय

7/147, स्वरूप नगर, कानपुर - 208002

विवरण-पत्रिका

मूल्य 50/-

हमारे पथ-प्रदर्शक

डा. डी. सी. गुप्त
सचिव

डा. ममता खरे
एम.ए., पी-एच.डी.
कार्य० प्राचार्या

"ध्येय मार्ग पर चलने वाले
प्रतिदान नहीं मांगा करते।
मान उन्हें ही मिलता है,
जो सम्मान नहीं मांगा करते।।"

कानपुर विद्या मन्दिर महिला (पी.जी.) महाविद्यालय

7/147, स्वरूप नगर, कानपुर-208002

विवरण पत्रिका

विद्या मनुष्य के चरित्र का निर्माण करने वाली, गहन अन्धकार में प्रकाश पुंज बिखेरने वाली व अनन्त शक्तियों का भण्डार है। विद्यालय विद्यार्थी के चरित्र एवं भविष्य निर्माण के केन्द्र होते हैं। क्षेत्रीय बालिकाओं की उच्च शिक्षा की महती आवश्यकता का अनुभव करते हुए कानपुर विद्या मन्दिर सोसाइटी द्वारा छात्राओं के लिए 1 जुलाई, 1984 को कानपुर विद्या मन्दिर महिला महाविद्यालय की स्थापना की गयी। कानपुर विद्या मन्दिर महिला महाविद्यालय को वर्ष 1987 से छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है।

महाविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक), बंगलुरू द्वारा 'A' ग्रेड वर्ष 2008-09 में प्राप्त हुआ है।

महाविद्यालय की विशद् दृष्टि (Vision)

"संश्रुतेन गमेमहि" के अनुसार छात्राओं के चतुर्मुखी विकास हेतु वैश्विक चुनौती का सामना करने के लिए संकल्पबद्धता।

महाविद्यालय का ध्येय (Mission)

छात्राओं के सन्तुलित राष्ट्रीय व्यक्तित्व निर्माण के लिए वैदिक सांस्कृतिक मूल्यों की अवस्थापना।

महाविद्यालय का उद्देश्य (Objective)

छात्राओं के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना जिससे उनमें आत्मविश्वास, आत्मसम्मान, सामाजिकता, आध्यात्मिकता व मूल्यों के प्रति विश्वास जागृत हो।

छात्राओं में तर्क-शक्ति के प्रयोग हेतु रूचि जागृत कर वैज्ञानिक सोच व आत्म निर्भरता की मनोवृत्ति का विकास कर विचारों तथा अनुभवों के विनिमय का वातावरण उत्पन्न करना।

निर्देश एवं नियमः

महाविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए कार्यालय से विवरण-पत्रिका सहित आवेदन-पत्र 50/- रुपये में प्राप्त किया जा सकता है।

छात्राओं को प्रवेश प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित कार्यशैली अपनानी आवश्यक है :-

१. छात्राएं प्रवेश आवेदन पत्र स्वयं सावधानीपूर्वक पूरित कर उस पर अपना छविचित्र यथास्थान लगा कर निम्न प्रपत्रों के साथ संलग्न करें :
   (१) हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट परीक्षा के प्रमाणपत्र की स्व प्रमाणित सत्यप्रतिलिपि
   (२) अन्तिम परीक्षा के प्राप्तांको की स्व प्रमाणित सत्य-प्रतिलिपि।
   (३) अन्तिम विद्यालय से प्राप्त चरित्र प्रमाण पत्र (मूल रूप में)
   (४) अन्तिम शिक्षण संस्था का स्थानान्तरण प्रमाणपत्र (मूल रूप में) संलग्न करें।
   (५) जाति एवं आय प्रमाणपत्र की स्व प्रमाणित फोटोप्रति संलग्न करें। छात्रा को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर ही उसका लाभ दिया जायेगा अन्यथा नहीं।

विशेषः

1. जिन छात्राओं ने अपनी अन्तिम परीक्षा माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ.प्र. इलाहाबाद अथवा सी.एस.जे.एम. विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य किसी संस्था से उत्तीर्ण की है, उन्हें प्रवजन प्रमाण-पत्र (Migration Certificate) भी मूल रूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा।
2. छात्राएं जो भी प्रमाणपत्र व उनकी सत्यापित प्रतिलिपियाँ जमा करेंगी, उनकी सत्यता का दायित्व स्वयं उनका होगा।
3. **प्राचार्या से प्रवेश का आदेश प्राप्त हो जाने पर कार्यालय से प्राप्त चालान <u>कैनरा बैंक, स्वरूप नगर, कानपुर शाखा</u> में निर्धारित शुल्क के साथ अगले कार्य दिवस तक अवश्य जमा कर दें तथा उसकी एक प्रति फार्म के साथ कार्यालय में तुरन्त जमा करें अन्यथा प्रवेश निरस्त माना जायेगा।**
4. प्रवेश शुल्क की रसीद दिखाकर परिचय-पत्र प्राप्त करें। उस पर अपना पासपोर्ट आकार का नवीन छविचित्र लगाकर मुख्य अनुशासक से प्रमाणित करायें तथा प्रतिदिन महाविद्यालय में लेकर आयें।

5. छात्राओं को कक्षा में प्रवेश-पर्ची (Admission Slip) दिखाना आवश्यक है, जिससे उनका नाम सम्बन्धित विषय की उपस्थिति पंजिका में लिखा जा सके।
6. विद्यार्थियों को विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं है। अतः प्रवेश फार्म में भलीभाँति विचार करके ही विषय भरें।
7. बी०ए० द्वितीय अथवा तृतीय भाग में प्राइवेट परीक्षा देने वाली छात्राओं/उत्तीर्ण छात्राओं को संस्थागत छात्रा के रूप में कालेज में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

परास्नातक (M.A.): शिक्षा शास्त्र एवं संस्कृत

कला स्नातक (B.A.): छात्राओं को निम्नलिखित में से कोई 3 विषय लेने होंगे-

(1) हिन्दी साहित्य (2) अंग्रेजी साहित्य (3) संस्कृत
(4) शिक्षाशास्त्र (5) अर्थशास्त्र (6) समाजशास्त्र
(7) मनोविज्ञान (8) अंग्रेजी भाषा (9) हिन्दी भाषा
(10) गृह विज्ञान (11) संगीत वादन (सितार)

विज्ञान स्नातक (B.Sc.): स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत

(1) बायो वर्ग : जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व रसायन विज्ञान
(2) गणित वर्ग : भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान व गणित।

नोटः

1. पर्यावरण अध्ययन का प्रश्न पत्र सभी छात्राओं (कला व विज्ञान) को स्नातक प्रथम वर्ष में ही उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
2. अंग्रेजी भाषा के साथ हिन्दी भाषा नहीं ली जा सकती है।
3. तीन साहित्य एक साथ नहीं लिये जा सकेंगे।
4. स्नातक भाग तीन के लिए स्नातक भाग दो में चयनित विषयों में से कोई दो विषय ही लिए जायेंगे।
5. शिक्षाशास्त्र एवं मनोविज्ञान दोनों विषय एक साथ नहीं लिये जा सकते हैं।
6. स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (T.C.) न होने पर प्रवेश नहीं लिया जाएगा।

शुल्क

वार्षिक शुल्क:-

(1) रजिस्ट्रेशन शुल्क	-	5.00
(2) प्रवेश तथा पुन: प्रवेश शुल्क	-	3.00
(3) विकास शुल्क	-	36.00
(4) पुस्तकालय शुल्क (स्नातक)	-	15.00
पुस्तकालय शुल्क (परास्नातक)	-	25.00
(5) वाचनालय शुल्क	-	12.00
(6) परिचय पत्र	-	6.00
(7) पत्रिका शुल्क	-	10.00
(8) विद्यार्थी सहायता शुल्क	-	6.00
(9) विद्यार्थी कल्याण कोष	-	16.00
(10) ग्रीष्म तथा शीत ऋतु शुल्क	-	100.00
(11) क्रीड़ा एवं चिकित्सा शुल्क	-	36.00
(12) विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क (उन छात्राओं के लिए जो नामांकित नहीं है)	-	100.00
(13) विश्वविद्यालय क्रीड़ा शुल्क	-	20.00

(14) विश्वविद्यालय परीक्षा एवं टोकन शुल्क

	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
स्नातक (कला, विज्ञान)	735.00	735.00	735.00
परास्नातक (कला)	835.00	835.00	

(15) विश्वविद्यालय प्रायोगिक/मौखिकी परीक्षा शुल्क (प्रति छात्रा)	-	100.00
(16) लघु शोध प्रबन्ध जमा करते समय फीस ली जायेगी	-	1500.00
(17) सुरक्षित धन - (1) प्रयोगशाला सुरक्षित धन	-	30.00
(2) पुस्तकालय सुरक्षित धन	-	30.00
(18) मासिक शुल्क		
1) शिक्षण शुल्क (स्नातक)	-	---
2) शिक्षण शुल्क (परास्नातक)	-	---
3) मँहगाई शुल्क	-	3.50
4) प्रयोगशाला शुल्क (प्रति विषय)	-	20.00
(19) शिक्षण शुल्क (स्ववित्त पोषित)		
विज्ञान स्नातक (वार्षिक)	-	4000.00

नोटः-

1. सभी मासिक शुल्क (बारह महीने के) तथा वार्षिक शुल्क प्रवेश के समय देय होंगे।
2. शासन/विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त किसी भी शुल्क में परिवर्तन किया जा सकता है, तदनुसार परिवर्तित शुल्क छात्रा द्वारा देय होगा।
3. प्रवेश लेने वाली छात्रा का एक बार जमा किया गया कोई भी शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जायेगा।
4. सुरक्षित धनराशि परीक्षाफल निकलने के दो माह के अन्दर विद्यार्थी के आवेदन पत्र देने पर ही 50% वापस की जायेगी।
5. बी.एससी. कक्षाओं का शुल्क स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत नियमानुसार देय होगा।

महाविद्यालय से प्राप्त होने वाली सुविधाएं

मेधावी तथा निर्धन छात्राओं को महाविद्यालय द्वारा आर्थिक सहायता/शुल्क मुक्ति की सहायता देने की व्यवस्था है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S.) क्रियान्वित है। महाविद्यालय की इच्छुक छात्राओं हेतु Spoken English कक्षायें ली जाती है।

भूतपूर्व छात्रा समितिः-

महाविद्यालय की उत्तीर्ण छात्रायें भूतपूर्व छात्रा समिति "ओजस्विनी" की सदस्य होंगी।

महाविद्यालय पत्रिकाः-

छात्राओं की रचनात्मक शक्तियों के विकास हेतु "उपज्ञा" पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है, जिसमें छात्रायें स्वरचित लेख/कविता/कहानी आदि दे सकती हैं।

सांस्कृतिक विकासः-

महाविद्यालय की छात्राओं की अन्तर्निहित शक्तियों के सर्वांगीण विकास हेतु छात्राओं में वाद-विवाद, अन्त्याक्षरी, लोकनृत्य, लोकगीत एवं भाषण आदि प्रतियोगिताएं होती है; जिसके लिये ए.सी. हॉल उपलब्ध है।

उपस्थितिः-

किसी भी छात्रा को विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने की आज्ञा प्रत्येक विषय में उसकी उपस्थिति 75% होने पर दी जायेगी।

क्रीड़ा :-

महाविद्यालय में निम्नलिखित खेलों की व्यवस्था है- वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो, कैरम, बैडमिंटन एवं शतरंज आदि।

छात्रवृत्ति सम्बन्धी विशेष सूचना

राष्ट्रीय एवं योग्यता छात्रवृत्तिः-

1. ऐसी छात्रायें जिन्हें हाईस्कूल परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर इण्टरमीडिएट में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है, वे छात्रायें अपनी प्रगति आख्या निर्धारित प्रपत्र पर भरकर, इण्टरमीडिएट परीक्षा की अंकतालिका एवं अभिभावक के आय प्रमाण-पत्र के साथ एक (1) माह के अन्दर कार्यालय में जमा करें। प्रगति आख्या में संदर्भ संख्या का उल्लेख किया जाना अनिवार्य है।
2. ऐसी छात्रायें जिन्हें इण्टरमीडिएट में 65% या अधिक अंक प्राप्त हुए हैं वे राष्ट्रीय छात्रवृत्ति व योग्यता छात्रवृत्ति, राज्य छात्र कल्याण निधि उ.प्र. लखनऊ से प्राप्त करने हेतु जि.वि.नि. कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर 31 अगस्त तक महाविद्यालय के माध्यम से आवेदन करें।

उ०प्र० शासन द्वारा संचालित दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शासनादेशानुसार छात्रा को निर्धारित वेबसाइट http://scholarship.up.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। रजिस्ट्रेशन में मांगी गयी सम्पूर्ण प्रविष्टियां वेबसाइट पर निर्धारित प्रारूप में सही-सही भरना आवश्यक होगा।

सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन करने के उपरान्त आवेदिका को दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लिये स्वयं ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

अपने भरे गये आवेदन का प्रिंट आउट निकाल कर एवं इसके प्रिंट आउट को समस्त अन्य वांछित डॉक्यूमेण्ट जैसे- आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाणपत्र/निवास प्रमाण पत्र, हाईस्कूल का अंकपत्र-प्रमाण पत्र, कालेज में जमा किये गये शुल्क की रसीद की कापी एवं बैंक की पासबुक की कापी जिस पर एकाउंट नम्बर प्रदर्शित हो रहा है आदि प्रतिलिपियां संलग्न करते हुए महाविद्यालय में जमा करना होगा।

सभी मुस्लिम (O.B.C.) तथा अल्पसंख्यक वर्ग (Minority) की छात्राएं केवल अल्पसंख्यक वर्ग (Minority) में ही आवेदन करेंगी व अल्पसंख्यक वर्ग (Minority) का ही जाति प्रमाण पत्र लगाएंगी।

Undertaking /Declaration

I, ...
D/. Shri .....
hereby declare that:-

1. The facts given by me in the admission form are true to the best of my knowledge. I declare that I have not concealed any fact which is important to be disclosed by a bonafied student of the University/College/Institution. I understand that concealment of facts is punishable at any point of time.
2. I agree to abide by the rules and regulations of the University/College/Institution applicable from time to time and will not indulge in any activity which brings disrepute to my College/Institution and University. I also declare that I will not pursue for appearing in University Examination if my attendance falls below 75%.
3. I understand that ragging as defined by the authorities like Hon'ble Supreme Court/Hon'ble High Court/Central Govt./State Govt./UGC/University etc. is punishable offence. I am fully aware of the consequences of my indulgence in any sort of ragging and hence I will not involve myself in any act of ragging on and off campus of the University/College/Institution.
4. I also understand, in case, I am found guilty of any such activity, narrated in the foregoing points, I will be liable for punishment which may be to the extent of my expulsion/rustication from the University/ College/Institution including institution of legal criminal proceedings against me.

Signature of the Student _____

Name of Student _____

Father's Name _____

Course of Study _____

Year of Admission _____

Mob. No. _____

Mentioned candidate is Daughter/Daughter-in-law/ Wife/ Ward of the undersigned. The undersigned as parent/guardian owes whole responsibility to the above declaration signed by the above named student. In case, the above named student is found guilty of any unlawful activity/ragging done by him/her, the undersigned has no objection if she is black listed/ debarred/ expelled/rusticated and/or any legal criminal proceeding is initiated against her by the State/University/College/Institution at any stage during her course of study.

As parent/guardian, the undersigned himself/herself will be agreeable to any punitive action taken against the above named student by the State/University/College/Institution as per statutory provisions.

Signature of Parent/Guardian _____

Name of Parent/Giuardian _____

Relation with the Student _____

Date _____

Place _____

Mob. No. _____

घोषणा

मैं कुमारी/श्रीमती .....

घोषित करती हूँ तथा वचनबद्ध होती हूँ कि अपने पाठ्यक्रम के हर एक विषय में नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित रहा करूँगी और यदि मेरी उपस्थिति 75% से कम पाई जाये तो प्राचार्य को अधिकार होगा कि वह मुझे विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने की अनुमति न प्रदान करे। उपस्थिति के सम्बंध में विश्वविद्यालय के नियमों का पूर्ण अनुसरण करूँगी।

मैं कुमारी/श्रीमती .....

यह भी घोषित करती हूँ कि मैं बिना पर्याप्त कारण के, जिसके लिए मुझे प्राचार्य को संतुष्ट करना होगा, महाविद्यालय में अनुपस्थित नहीं रहूँगी, यदि ऐसा न करूँ तो भी प्राचार्य को अधिकार होगा कि वह मुझे विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने की अनुमति न दें।

मैं महाविद्यालय में होने वाले पाठ्येतर/सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रमों में अवश्य भाग लूँगी/उपस्थित रहूँगी। मैं विश्वविद्यालय परीक्षा आवेदन-पत्र भरने, प्रवेशांक तथा लिखित परीक्षा की तिथि संबंधी जानकारी स्वयं महाविद्यालय से प्राप्त करूँगी।

छात्रा के हस्ताक्षर .....

कक्षा ..... सी० नं० .....

मैं .....

अपनी पुत्री कु. .....

के आचरण की पुष्टि करता हूँ और उसके चरित्र के विरुद्ध किसी प्रकार की माँग न रखूँगा और महाविद्यालय के निर्णय को स्वीकार करूँगा।

मैं .....

अपने पाल्य की नैतिक एवं अनुशासन सम्बंधी प्रगति के विषय की जानकारी हेतु महाविद्यालय से सम्पर्क बनाये रखूँगा।

हस्ताक्षर (पिता/संरक्षक) .....

पता: .....

दूरभाष ..... मोबाइल .....

चमेली देवी सावित्री देवी का.वि.म.म.म. (पी.जी.) महाविद्यालय

पुस्तकालय एवं वाचनालय

महाविद्यालय में एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय भी है। पुस्तकालय में विविध विषयों की श्रेष्ठ उपयोगी पुस्तकें हैं तथा वाचनालय में हिन्दी तथा अंग्रेजी की प्रमुख पत्र-पत्रिकायें उपलब्ध कराई जाती हैं।

पुस्तकालय के नियमः-

1. छात्रायें पुस्तकालयाध्यक्ष को फीस रसीद व एडमीशन स्लिप दिखाकर अपना लाइब्रेरी कार्ड प्रवेश तिथि से 15 दिन के अन्दर बनवा लें।
2. बहुमूल्य पुस्तकें छात्राओं को घर के लिए नहीं दी जायेंगी, वे परिचय पत्र दिखाकर वाचनालय में ही पढ़ सकती हैं।
3. पत्रिकायें किसी विद्यार्थी को घर के लिए नहीं दी जायेंगी। उनका प्रयोग भी वाचनालय में किया जा सकेगा।
4. सभी पुस्तकें सत्र सम्पूर्ण होने के पहले वापस करनी होंगी अन्यथा छात्राओं को विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
5. यदि वापस लौटाते समय पुस्तकें अन्दर से कटी-फटी पाई जायेंगी तो छात्राओं को नई पुस्तक या पुस्तक का मूल्य देना होगा। अतः पुस्तकें लेते समय छात्रायें पुस्तक की भली प्रकार से जाँच कर लें। पुस्तकें आपकी मार्गदर्शक हैं, इनको सम्भालने की जिम्मेदारी आपकी है।
6. पुस्तकालय की जमा सुरक्षित धनराशि आवेदन पत्र देने पर 50% लौटा दी जायेगी।
7. पुस्तकें निर्धारित समय पर जमा न करने पर उचित कार्यवाही की जायेगी।

छात्राओं के लिए आवश्यक सूचनाः-

1. छात्राओं को महाविद्यालय एवं कक्षाओं में निश्चित समय पर नियमित रूप से आना होगा तथा उनकी प्रतिदिन की उपस्थिति विश्वविद्यालय भेजी जायेगी।
2. अवकाश के समय छात्रायें शान्तिपूर्वक छात्रा-कक्ष में अपना कार्य करेंगी, महाविद्यालय प्रांगण/बरामदे में इधर-उधर घूमना निषिद्ध है। आकस्मिकता की स्थिति में कक्षायें पूर्ण करने से पूर्व घर जाने हेतु प्राचार्या को आवेदन पत्र देने के बाद ही अनुमति प्रदान की जायेगी।
3. सभी छात्रायें महाविद्यालय में शालीन वेशभूषा में ही आयेंगी। छात्राएँ मोबाइल फोन लेकर व ज्वैलरी पहनकर नहीं आयेंगी।
4. छात्राओं के संरक्षकों से प्रार्थना की जाती है कि वे महाविद्यालय के नियम पालन एवं अनुशासन में अपना पूर्ण सहयोग देवें।
5. सभी छात्राओं को प्रार्थना में सम्मिलित होना होगा।
6. सभी छात्रायें अपने वाहन निर्दिष्ट स्थान पर ही रखें।
7. महाविद्यालय में पान मसाला/तम्बाकू का सेवन वर्जित है। खाते हुए पाये जाने पर रु.200/- आर्थिक दण्ड देना होगा।
8. छात्रायें उपर्युक्त नियमों का दृढ़ता से पालन करेंगी।

प्राध्यापिका मण्डल

डा० ममता खरे
एम.ए., पी-एच.डी.
(कार्य० प्राचार्या)

कला संकायः-

1. **डा० मनोरमा गुप्ता (संस्कृत)**
   एम.ए.(साहित्य, वेद, दर्शन), एम.एड., पी-एच.डी., डी.लिट्
2. **डा० प्रेमिला देवी (हिन्दी)**
   एम.ए., पी-एच.डी.
3. **डा० प्रवीण सूद (अर्थशास्त्र)**
   एम.ए., बी.एड., पी-एच.डी.
4. **डा० मृदुला शुक्ला (समाजशास्त्र)**
   एम.ए., पी-एच.डी.
5. **डा० निशा पाठक (संगीत वादन)**
   एम.ए., पी-एच.डी.
6. **डा० निरूपमा त्रिपाठी (संस्कृत)**
   एम.ए., पी-एच.डी.
7. **डा० अनुपमा कुमारी (गृह विज्ञान)**
   एम.एससी. (गृह विज्ञान), पी-एच.डी.

कला एवं विज्ञान संकाय में योग्य एवं अनुभवी प्रवक्ताओं द्वारा निश्चित मानदेय एवं संविदा पर शिक्षण कार्य की व्यवस्था है।

पुस्तकालयाध्यक्षा

डा० कुसुमलता मलिक — एसो. प्रोफेसर पुस्तकालय

एम.एससी., एम.लिब., पी-एच.डी.

शिक्षणेतर मण्डल

1. श्री लोकेश कुमार तिवारी - कार्यालय अधीक्षक
2. श्री अवधेश कुमार - नैत्यिक लिपिक
3. श्रीमती सुमन शर्मा - पुस्तकालय लिपिक
4. श्री घनश्याम बाबू गुप्त - चतुर्थ श्रेणी (दफ्तरी)
5. श्री महेन्द्र राम - चतुर्थ श्रेणी (बुक लिफ्टर)
6. श्री सुरेश प्रसाद - चतुर्थ श्रेणी
7. श्री देवी प्रसाद कश्यप - चतुर्थ श्रेणी
8. श्री धनबहादुर - चतुर्थ श्रेणी
9. श्रीमती रत्ना देवी - चतुर्थ श्रेणी
10. श्री गया प्रसाद - चतुर्थ श्रेणी
11. श्री रणजीत तिवारी - चतुर्थ श्रेणी

महाविद्यालय प्रार्थना

ओ३म् भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।
धियो यो नः प्रचोदयात्।।
ओ३मविश्वानि देव सवितर्दुरितानि परा सुव। यद्भद्रं तन्न आ सुव।

वैदिक मंत्र

ओ३म् सं समिद्युवसे, वृषन्नग्ने विश्वान्यर्य आ।।
इडस्पदे समिध्यसे, स नो वसून्या भर।
ओ३म् सगछध्वं सं वदध्वं, सं वो मनांसि जानताम्।।
देवा भागं यथा पूर्वे, सं जानाना उपासते।
समानो मन्त्रः समितिः समानी, समानं मनः सह चित्तमेषाम।।
समानं मन्त्रमभिमन्त्रये वः, समानेन वो हविशा जुहोमि।
ओ३म् समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः।।
समानमस्तु वो मनो, यथा वः सुसहासति।

शान्तिपाठ

ओ३म् द्यौः शन्तिरन्तरिक्षँ शान्तिः पृथिवी शान्तिरोषधयः शान्तिः
वनस्पतयः शान्तिः विश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म शान्तिः
सर्वं शान्ति शन्तिरेव शान्तिः सा मा शान्तिरेधि।
ओ३म् शान्तिः शान्तिः शान्तिः ओ३म्।।

प्रार्थना

ब्रह्मन् ! स्वराष्ट्र में हो द्विज ब्रह्म-तेजधारी। क्षत्रिय महारथी हों अरिदल-विनाशकारी।
होवें दुधारु गौएँ पशु अश्व आशुवाही। आधार राष्ट्र की हों नारी सुभग सदा ही।
बलवान सभ्य योद्धा यजमान-पुत्र होवें। इच्छानुसार वर्षे पर्जन्य ताप धोवें।
फल-फूल से लदी हों औषध अमोघ सारी। हो योगक्षेमकारी स्वाधीनता हमारी।

प्रार्थना

हे शारदे माँ, हे शारदे माँ,
अज्ञानता से हमें तार दे माँ

तू स्वर की देवी ये संगीत तुझ से,
हर शब्द तेरा है हर गीत तुझ से,
हम हैं अकेले, हम हैं अधूरे,
तेरी शरण हम हमें प्यार दे माँ
हे शारदे माँ, हे शारदे माँ.....

मुनियों ने समझी, गुनियों ने जानी,
वेदों की भाषा, पुराणों की बानी,
हम भी तो समझे, हम भी तो जानें,
विद्या का हमको भी अधिकार दे माँ
हे शारदे माँ, हे शारदे माँ.....

तू श्वेत वर्णी कमल पे विराजे,
हाथों में वीणा, मुकुट सर पे साजे,
मन से हमारे मिटाके अंधेरे,
हमको उजालों का संसार दे माँ
हे शारदे माँ, हे शारदे माँ.....